कबाड़ी के पास मिले पांच हजार आधार कार्ड

जयपुर, 15 जून (ए)। देश के हर आदमी के लिए जरूरी बना दिए गए पांच हजार आधार कार्ड गुरुवार को जयपुर के जालूपुरा में एक कबाड़ी के पास मिले। लिफाफा बंद आधार कार्ड एक बोरे में भरे हुए थे। बताया जा रहा है कि एक कबाड़ी की दुकान पर कोई व्यक्ति रद्दी के भाव में आधार कार्ड बेच गया। सभी आधार कार्ड एक बोरे में बंद थे। इसके चलते कबाड़ी ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब बोरा फटा तो उसमें हजारों की संख्या में आधार कार्ड निकलकर बाहर आ गए। इस बारे में जालूपुरा थाने के एसएचओ लिखमा राम का कहना है कि ये आधार कार्ड डाक विभाग के अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। इस मामले मे कोई केस दर्ज नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार रद्दी में बेचे गए आधार पिछले साल की पहली तिमाही में कार्ड के हकदार के यहां डिस्पेच के लिए जारी हुए थे। लेकिन आधार नामांकन करवाने वालों की जगह कबाड़ी तक पहुंच गए। आधार आम आदमी की पहचान से जुड़ा सबसे बड़ा दस्तावेज है जो गलत हाथों में आने से बड़ा नुकसान और गलत फायदा उठाया जा सकता है। कबाड़ी के पास मिले अधिकतर आधार की डिस्पैच तारीख जनवरी 2017, मार्च और अप्रैल 2017 दर्ज है।

संदिग्ध आतंकियों ने सीआरपीएफ कर्मी पर हमला कर छीनी बंदूक

श्रीनगर, 15 जून (ए)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने सीआरपीएफ कर्मी पर हमला करके उसकी बंदूक छीन ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दो लोग मोटरसाइकिल पर आए और उन्होंने जवान पर पत्थरों से हमला कर दिया। घटना काजीगुंड के सदूरा रेलवे स्टेशन की है। इससे पहले की जवान संभल पाता हमलावरों ने उससे उसकी बंदूक छीनी और फरार हो गये। जवान बुरी तरह से घायल हो गया है और उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

चाय वाले की बेटी बनेगी समाज की पहली डॉक्टर

धार, 15 जून (ए)। मां 10 साल से बीमार हैं। पिता चाय की दुकान चलाते हैं। पिता ने कर्ज लेकर बेटी को इंदौर व कोटा कोचिंग के लिए भेजा। मां का सपना बेटी पूरा करने जा रही है। बाग की बेटी रीमा ब्रजवासी अपने समाज की पहली डॉक्टर बनेगी। रीमा का नीट (एनईईटी) में चयन हो गया है। उसे 238 अंक मिले हैं। कलेक्टर दीपक सिंह ने धार में रीमा का सम्मान किया। रीमा ने बताया कि उनके समाज में बेटियों की जल्दी शादी हो जाती है। मां की भी जल्द शादी हो गई। मां का सपना था मैं डॉक्टर बनूं। पिता दूलीचंद्र ब्रजवासी ने बताया कि रीमा को पढ़ाई के लिए पहले इंदौर भेजा था। इसके लिए कर्ज लिया। फिर कोटा कोचिंग के लिए भेजा। पैसों की व्यवस्था कर बेटी को हर माह भेजते थे। आगे पढ़ाई के लिए ऋण लेना है, जिसके लिए आवेदन दिया है। पत्नी व मेरी जिद की थी बेटियों को पढ़ाकर इस काबिल बनाया जाए कि वे आत्मनिर्भर बने। हमें बेटियों को पढ़ाना था। शिक्षा उनके लिए ज्यादा जरूरी है। बड़ी बेटी हैं इंजीनियर दूलीचंद्र ने बताया कि उनकी तीन बेटियां हैं। बड़ी बेटी शिवानी को बीई करवाया। वह बैंगलूरू में काम करती है और एजुकेशन लोन भर रही है। दूसरे नंबर की बेटी ने भी बीएससी किया है। वह फैशन डिजाइन में करियर बनाना चाहती है।

टॉपर छात्र के बाउंस हुए चेक पर आजम का हमला,

रामपुर, 15 जून (ए)। हाईस्कूल के टॉपर छात्र के बाउंस हुए चेक पर सपा के दिग्गज नेता आजम खान ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। आजम ने कहा है कि सरकार के जरिए दिया गया चेक बाउंस हो जाए ये उसके लिए चुल्लू भर पानी काफी है। ये बहुत ही शर्म की बात है। आजम ने कहा कि मैं बच्चे को अपनी विधायक वाली सैलरी देना चाहता हूं बशर्ते वह अपनी ख्वाहिश जाहिर करे। ताकि हम सियासत करने वालों के माथे पर ये कलंक न लगे। आजम ने कहा कि अगर सरकारें ही लोगों को धोखा देंगी। देश को लूटने और बर्बाद करने वालों की मदद करेंगी तो वो सरकार नहीं कहलाएंगी। आप लोग भी देख रहे हैं आज मुल्क में क्या हो रहा है। चेक बाउंस को लेकर कड़े कानून बनाए गए हैं के सवाल पर आजम ने कहा कि जब सरकार ही धोखा दे दे तो कानून क्या करेगा।

इंसानियत की जीत : डॉक्टर ने पेश की अनूठी मिसाल,

कोलकाता, 15 जून (ए)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक डॉक्टर ने अनूठी मिसाल पेश की है। यहां डॉक्टर ने धार्मिक परंपरा के ऊपर मानवता को तरजीह देते हुए एक मरीज की जान बचाई है। रमजान के महीने के आखिर में ईद से ठीक पहले डॉक्टर ने मरीज को ब्लड डोनेट करने के लिए अपना रोजा तोड़ दिया। कोलकाता के अपोलो अस्पताल के डॉक्टर गुलाम मोहम्मद मोइनुद्दीन (37 वर्ष) ने गुरुवार को अपना ब्लड डोनेट किया। उनके इस कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। दरअसल फूलबागान इलाके में एक सड़क हादसे में जख्मी शख्स को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें एबी (पॉजिटिव) ग्रुप के खून की जरूरत थी। लेकिन अस्पताल में मौजूद ब्लड बैंक में इस ग्रूप का खून उपलब्ध नहीं था। ऐसे में मरीज की जान को खतरा देखते हुए डॉक्टर मोइनुद्दीन ने खुद अपना खून देने का फैसला किया। हालांकि इस वजह से उन्हें रमजान का अपना रोजा तोड़ना पड़ा। डॉक्टर मोइनुद्दीन का कहना है, सबसे पवित्र काम किसी इंसान की जान बचाना है। इसलिए मैंने मरीज को अपना खून देना उचित समझा। डॉ. मोइनुद्दीन ने अपना खून देकर मिसाल कायम की है। उनका यह संदेश हर किसी के लिए एक प्रेरणा है। रमजान के महीने में रोजे को तोड़कर उन्होंने साबित कर दिया कि सबसे बढ़कर इंसानियत है।

अमेरिका में टॉलिवुड सेक्स रैकेट चलाता था भारतीय कपल, अरेस्ट

हैदराबाद, 15 जून (ए)। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने शिकागो में एक इंटरनैशनल सेक्स रैकेट चलाने वाले भारतीय कपल को अरेस्ट किया गया है। यह कपल कन्नड़ और टॉलिवुड अभिनेत्रियों को अमेरिका में इवेंट के नाम पर बुलाता था और फिर उन्हें देह व्यापार के धंधे में धकेल देता था। शिकागो की जिला अदालत में इस मामले को लेकर एक शिकायत दायर की गई थी। इसके बाद जब जांच शुरू हुई तो सामने आया कि किशन मॉडुगुमुदी उर्फ श्रीराज चोनुपुट्टी और उनकी पत्नी चंद्रकला पूर्णिमा उर्फ वेभा जयम यह रैकेट चला रहे थे। मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले इस कपल को 28 अप्रैल 2018 को वॉशिंगटन से गिरफ्तार किया गया। होमलैंड सिक्यॉरिटी इनवेस्टिगेशंस के अमेरिकी फेडरल एजेंट्स ने अदालत में आपराधिक शिकायत दायर की है। शिकायत के मुताबिक, 11 मई 2017 से 22 जनवरी 2018 के बीच इस कपल ने कई लड़कियों को अपना शिकार बनाया। यह कपल पीड़ित लड़कियों के लिए हवाई टिकट बुक करता था और फिर अमेरिका पहुंचने के बाद उन्हें होटल या मॉडुगुमुदी के घर पर रोकता था।

अमरनाथ यात्रा पर आतंकी हमले का खतरा, पाकिस्तान से रची जा रही साजिश

नई दिल्ली,15 जून (ए)। केंद्र सरकार रमजान के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन को स्थगित रखने को लेकर फिलहाल वेट ऐंड वॉच पॉलिसी पर काम कर रही है। इस बीच, एक सैनिक और पत्रकार की हत्या ने आतंकियों के बढ़ते हौसले की ओर भी ध्यान खींचा है। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट्स मिले हैं कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन अमरनाथ यात्रा में खलल डालने के लिए बड़े हमले की साजिश रच रहे हैं। 28 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा 21 दिनों तक चलेगी। रमजान के दौरान आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन को स्थगित करने के असर की समीक्षा के लिए गुरुवार को गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस दौरान अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के बेहतर इंतजाम की भी चर्चा की गई। अमरनाथ यात्रा पर हमले का खतरा बना हुआ है। ऐसे में महबूबा सरकार ने केंद्र से 22 हजार अतिरिक्त जवान भी मांगे हैं। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि 45 मिनट तक चली बैठक के दौरान रमजान के बाद ऑपरेशन को स्थगित करने या आगे बढ़ाने पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि रमजान के बाद कश्मीरी मुसलमानों के लिए शांति की इस पहल की फिर से समीक्षा की जाएगी। गृह मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी है कि सुरक्षा बलों पर बड़े हमले के लिए आतंकी साजिश रच रहे हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि अमरनाथ यात्रा के दौरान दहशत फैलाने के लिए आतंकी श्रद्धालुओं या सुरक्षाकर्मियों पर हमले के लिए ढ्ढश्वष्ठ का इस्तेमाल कर सकते हैं। मीटिंग में रमजान के दौरान हुए आतंकी हमलों पर प्रेजेंटेशन भी दिया गया। वैसे, सरकार के भीतर एक पक्ष ऑपरेशन को आगे भी स्थगित रखने के पक्ष में है लेकिन अमरनाथ यात्रा में हमले की आशंका से सरकार को बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में टॉप सिक्यॉरिटी मैनेजर्स फौरन किसी फैसले तक नहीं पहुंचे हैं। ऑपरेशन को फिर से शुरू करने को लेकर सरकार पर आरएसएस और बीजेपी का भी दबाव है, जो इस पहल के पक्ष में नहीं है। सेना भी शुरू में तैयार नहीं थी पर बाद में पाकिस्तान से लगती सीमा पर राज्य में आतंकी गतिविधियों पर फीडबैक जानने के लिए तैयार हो गई।

कश्मीर में सीजफायर को लेकर पीएम मोदी से मिले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,15 जून (ए)। रमजान के बाद जम्मू और कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन को लेकर केंद्र सरकार ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। एक दिन पहले गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन स्थगित रहने के दौरान हालात की समीक्षा की थी। गृह मंत्री ने शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जम्मू-कश्मीर के हालात की जानकारी दी। इस बीच, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर ने कहा है कि रमजान के दौरान जम्मू और कश्मीर में सीजफायर के अच्छे परिणाम मिले हैं। इसे आगे बढ़ाने या नहीं बढ़ाने पर सरकार जल्द फैसला करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, सीजफायर को लेकर ऊपर के स्तर पर फैसला होगा। आम लोग सरकार के इस फैसले से काफी खुश थे। हालांकि पाकिस्तान और आतंकी संगठनों को यह रास नहीं आया। उन्होंने यह भी कहा कि सीजफायर सीमा पर होता है, देश के अंदर ऑपरेशन सस्पेंड किया गया था।

राइजिंग कश्मीर के संपादक शुजात बुखारी की हत्या, पाक ने की निंदा

श्रीनगर, 15 जून (ए)। वरिष्ठ पत्रकार एवं राइजिंग कश्मीर के संपादक शुजात बुखारी और उनके दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) की बीती रात को जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में आतंकवादियों द्वारा हत्या की गयी। 53 वर्षीय बुखारी श्रीनगर के लालचौक पर प्रेस एंक्लेव स्थित अपने कार्यालय से एक इफ्तार पार्टी के लिए जा रहे थे कि तभी उन पर गोलियां चलायी गयीं। जम्मू कश्मीर पुलिस ने बीती रात को बाइक सवार उन लोगों की तस्वीरें जारी कीं जिन पर राइजिंग कश्मीर के संपादक शुजात बुखारी की हत्या करने का संदेह है। पुलिस ने लोगों से कहा कि वे इन संदिग्धों की पहचान में मदद करें। इसने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में तीन आतंकवादी दिखाई देते हैं। पुलिस ने कहा कि दो तस्वीरों में तीन लोग मोटरसाइकिल पर जाते दिखते हैं जिन्होंने अपने चेहरे ढके हुए थे। इस हत्या की पाकिस्तान ने कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान के विदेश विभाग ने एक बयान में कहा है, हमें कश्मीर के लोकप्रिय पत्रकार शुजात बुखारी की अज्ञात हत्यारों द्वारा गोली मारकर हत्या करने की दुखद और स्तब्ध करने वाली सूचना मिली। पाकिस्तानी विदेश विभाग ने कहा कि ऐसी क्रूरता के पक्ष में कोई तर्क नहीं हो सकता है, इसकी जितनी निंदा की जाए, कम होगा। बुखारी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए विदेश विभाग ने कहा, हमारी संवेदनाएं और दुआएं उनके परिवार के साथ हैं। अल्लाह उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दे। बुखारी के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। बुखारी कश्मीर में तीन दशक से जारी हिंसा में आतंकवादियों के हाथों मारे गये चौथे पत्रकार हैं। 1991 में अलसफा के संपादक मोहम्मद शबान वकील की आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी।

विश्व हिन्दू परिषद की अमेरिका को चेतावनी- सीआईए आतंक का टैग हटाए, वरना होगा विश्वव्यापी आंदोलन

चनई दिल्ली, 15 जून (ए)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआइए को चेतावनी दे डाली है। सीआइए की आलोचना करते हुए विहिप ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद् व बजरंगदल को उग्रवादी धार्मिक संगठन घोषित करना घोर आपत्तिजनक, अपमानजनक तथा तथ्यों से परे है। ये संगठन पूर्ण रूप से देश भक्त हैं और इनकी गतिविधियां राष्ट्र को समर्पित हैं।

विहिप के संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेन्द्र जैन ने कहा कि 60,000 से अधिक एकल विद्यालय तथा एक हजार से अधिक अन्य सेवा कार्य करते हुए विहिप देश के समग्र विकास के लिए समर्पित है। देश हित व हिन्दू हितों के साथ ये संगठन कभी समझौता नहीं करते। इन सब तत्थ्यों की जानकारी सीआइए को न हो, यह संभव नहीं है। इसके बावजूद ये अनर्गल आरोप लगाना किसी निहित स्वार्थ के कारण ही सम्भव है। संभवतः भारत के चर्चों द्वारा लिखे गए पत्र भी इस बृहद षडयंत्र के भाग हैं। ओसामा बिन लादेन को खड़ा करके जिहादी आतंकवादी की आग में विश्व को झोंकने वाला सीआइए किस अधिकार से भारत के देश भक्त संगठन पर टिप्पणी कर सकता है। उधर विहिप के संयुक्त महासचिव के यह भी कहा कि सीआइए की भारत विरोधी मानसिकता उसकी कथित फैक्ट बुक में छापे भारत के मानचित्र से भी स्पष्ट हो जाती है। उन्होंने गुलाम कश्मीर के अलावा कश्मीर के ही कुछ अन्य भागों को पाकिस्तान में दिखाया है। यह घोर आपत्तिजनक तथा देश का अपमान है। डॉ. जैन ने कहा कि अमेरिकी सरकार को अपनी इस कुख्यात एजेंसी को आदेश देना चाहिए कि वह अबिलम्ब अपनी इन त्रुटियों को सुधार कर भारत की जनता से क्षमा याचना करे। यदि जल्द ही यह सुधार नहीं किया जाता तो विश्व हिन्दू परिषद वैश्विक स्तर पर सीआइए के विरुद्ध आन्दोलन छेड़ेगा। सीआइए का भारत विरोधी इतिहास सर्व विदित है तथा वर्तमान षड़यंत्र उसी मानसिकता का परिणाम है।

क्राइम ब्रांच के लिए सिरदर्द बने दाती महाराज, राजस्थान के आश्रम से हुए रफूचक्कर

नई दिल्ली, 15 जून (ए)। छतरपुर स्थित शनिधाम मंदिर के संस्थापक दाती महाराज (असली नाम मदनलाल) और उसके दो शिष्यों द्वारा 25 साल की युवती से दुष्कर्म करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को छतरपुर स्थित आश्रम में चार घंटे तक छानबीन की। युवती ने शिकायत में उक्त आश्रम के जिस-जिस कमरे में दाती महाराज व उसके दो शिष्यों द्वारा दुष्कर्म करने की बात कही थी, उन सभी कमरों में जाकर क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच की।

संयुक्त आयुक्त क्राइम ब्रांच आलोक कुमार के मुताबिक, जल्द ही दाती महाराज व उसके दोनों शिष्यों को दबोच लिया जाएगा। युवती ने क्राइम ब्रांच को विस्तार से जानकारी दी थी कि आश्रम में उनके साथ कब-कब और कहां-कहां दुष्कर्म, कुकर्म व अप्राकृतिक यौनाचार किया गया। पुलिस को युवती द्वारा दी गई जानकारियां सही मिलीं। साथ ही पुलिस को आश्रम से कई सुबूत भी मिले हैं।

गौरतलब है कि राजस्थान निवासी पीड़िता के परिजनों ने करीब 10 साल पहले उन्हें पढ़ाई के लिए दाती के राजस्थान के पाली स्थित बालाग्राम गुरुकुल आश्रम में भेजा था। बाद में उन्हें दिल्ली के छतरपुर स्थित आश्रम में भेज दिया गया। शिकायत में युवती ने कहा है कि करीब दो साल पहले दाती महाराज ने छतरपुर स्थित शनिधाम मंदिर के आश्रम में उनके साथ पहली बार दुष्कर्म किया था। बाद में उसके दो शिष्यों ने भी उनके साथ आश्रम में कई बार दुष्कर्म किया था।

राजस्थान स्थित आश्रम में भी उनके साथ तीनों ने कई बार दुष्कर्म, कुकर्म तथा अप्राकृतिक यौनाचार किया और धमकाया। धमकी से डर कर युवती ने दो साल तक किसी को इस बाबत कुछ नहीं बताया। इसके बाद परिजनों को आपबीती बताई तो उनके कहने पर युवती ने शनिवार को मामला दर्ज कराया।

दुष्कर्म के आरोपों से घिरे दाती महाराज गुरुवार दोपहर बाद राजस्थान के पाली स्थित अपने आश्रम से अचानक गायब हो गए। वह कहां गए, इस बारे में कोई कुछ नहीं बता रहा है। हालांकि, एक समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने इतना जरूर कहा है कि यह मामला किसी सुनील जैन के कारण सामने आया है और वह सोमवार को दिल्ली में पुलिस के सामने पेश होकर अपनी बात कहेंगे।

उनका पाली में सोजत रोड पर आश्रम है, जहां करीब 800 बच्चियां पढ़ती हैं। गुरुवार दोपहर तक वह यहीं थे और लोगों से मिल भी रहे थे, लेकिन दोपहर बाद वह आश्रम से गायब हो गए। वह कहां गए हैं, इस बारे में कोई कुछ बताने को तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है और उनके विदेश जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। शायद इस सूचना के बाद ही वह गायब हो गए हैं। स्थानीय पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

इस बीच एक स्थानीय समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी सुनील जैन ने उन्हें कुछ दिन पहले पैसों के मामले में बर्बाद करने की धमकी दी थी। यह उसी से जुड़ा मामला है।

मजबूरी ने अम्मा को बनाया सुपर वुमेन, फिटनेस में देती सबको चैलेंज

सीहोर (मप्र),15 जून (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक योग-कसरत से फिटनेस मंत्र देने के साथ फिटनेस चैलेंज दे रहे हैं। इन सबके बीच सीहोर (मध्य प्रदेश) की बुजुर्ग अम्मा उर्फ लक्ष्मीबाई की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई है। 72 साल की उम्र में अम्मा कलेक्ट्रेट परिसर तक साइकिल से आती हैं। लोग 62 साल की उम्र में रिटायर हो जाते हैं, जबकि अम्मा ने 10 साल पहले टाइपिंग का काम शुरू किया। उम्र के साथ अम्मा की टाइपिंग स्पीड बढ़ती गई। अब वह 90 से 100 शब्द प्रति मिनट टाइप कर लेती हैं।

मानसिक फिटनेस इतनी जबरदस्त है कि आवेदक केवल आवेदन का विषय, नाम-पता बताता है और अम्मा मिनटों में आवेदन टाइप करके दे देती हैं। अम्मा खुद की फिटनेस का राज जीवनयापन की मजबूरी बताती हैं। क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग भी अम्मा

की फिटनेस के कायल हैं। सहवाग ने यूट्यूब पर उनका तेज गति से टाइपिंग का वीडियो देखा तो ट्वीट कर न सिर्फ उन्हें सुपर वुमेन बताया, बल्कि युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने की नसीहत भी दी। अम्मा कहती हैं कि रुपये कमाने के लिए टाइपिंग करना जरूरी था। जितने ज्यादा कागज टाइप होते हैं, उतने ज्यादा रुपये मिलते हैं। अपनी मानसिक कमजोर बेटी के लिए कुछ रुपये जोड़कर रखना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मेरे बाद बेटी का क्या होगा फिर भी चाहती हूं उसके लिए कुछ रुपया जोड़ कर रख दूं, जो मेरे बाद उसके काम आएं। इंदौर की रहने वाली लक्ष्मीबाई पति से अलग होने के बाद सीहोर के गंज में किराए के मकान में बेटी के साथ बस गई। कुछ दिन तो परिचितों ने सहायता की, लेकिन फिर कोई काम नहीं मिलने से जीवन-यापन और बेटी के इलाज का संघर्ष शुरू हो गया। 2008 में उन्होंने तत्कालीन कलेक्टर राघवेंद्र कुमार सिंह और एडीएम भावना वालिम्बे से रोजगार दिलाने की गुहार लगाई।

जज पर दुष्कर्म और दहेज मांगने का आरोप, मामला दर्ज

पन्ना/अजयगढ़, 15 जून (ए)। अजयगढ़ में पदस्थ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मनोज सोनी पर महिला पटवारी ने दुष्कर्म और दहेज मांगने के आरोप लगाए हैं। अजयगढ़ थाने में शिकायत के बाद गुरवार को एफआईआर दर्ज की गई है। रीवा जिले की महिला पटवारी ने उस पर शादी का झांसा देकर दो माह तक यौन शोषण करने और दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर दूसरी युवती से शादी तय करने के आरोप लगाए हैं।

अजयगढ़ पुलिस जांच कर रही है। पीड़िता ने बताया 2015 में छतरपुर के मनोज सोनी से विवाह के संबंध में परिजन ने बात की थी। 2016 से ही वाट्सएप व फोन पर उसकी बातचीत मनोज से होने लगी। 2018 में वेलेंटाइन वीक के दौरान मनोज ने उसे अजयगढ़ के शासकीय आवास पर बुलाया और अंगूठी पहनाकर कहा अब हमारी सगाई हो गई और वह शादी भी करेगा। इसके बाद घर पर ही उसने जबरन शारीरिक संबंध बना लिए। फिर यह सिलसिला आगे भी जारी रहा।

भारत-म्यांमार संबंधों के खिलाफ साजिश का हिस्सा था हिंदुओं की सामूहिक हत्या

नई दिल्ली,15 जून (ए)। कार्ल वान क्लाउजविट्स ने अपनी रचना 'ऑन वार' में लिखा है कि युद्ध अन्य माध्यमों द्वारा संचालित राजनीति है। म्यांमार की रोहिंग्या समस्या में चरमपंथ को वहां की सरकार प्रमुख समस्या बताती है। रोहिंग्या मुसलमान संघर्ष को मानवाधिकारों के हनन से जोड़ते हैं। दुनिया इसे मानवीय त्रसदी मानती है। यहां धार्मिक भेदभाव के आरोप भी लगते हैं। इसे सांस्कृतिक द्वंद्व भी कहा जाता है, लेकिन अब इसके राजनीतिक लक्ष्य भी उभर कर सामने आए हैं। दरअसल म्यांमार में बौद्ध मुस्लिम संघर्ष के बीच हिंदुओं की सामूहिक हत्या के तथ्य बेहद हैरान करने वाले हैं। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की जांच के मुताबिक रोहिंग्या चरमपंथियों ने पिछले साल अगस्त में दर्जनों हिंदू नागरिकों की हत्या की थी। एमेनेस्टी का कहना है कि रखाइन प्रांत में प्रभावशील चरमपंथी अराकान रोहिंग्या सैलवेशन आर्मी ने ये हत्याएं की थी। पिछले साल म्यांमार की सेना ने भी यह दावा किया था कि उसकी देखरेख में हिंदुओं की सामूहिक कब्र से निकले 28 शवों का अंतिम संस्कार किया गया है जिनकी हत्या रोहिंग्या चरमपंथियों ने की थी। इस समय म्यांमार में तकरीबन ढाई लाख हिंदू रहते हैं जो वहां की जनसंख्या का मात्र 0.5 प्रतिशत हैं। भारतीय मूल के चेट्टियार और नागा यहां बड़ी संख्या में रहते हैं। म्यांमार के चरमपंथ प्रभावित रखाइन में करीब 10 हजार हिंदू रहते हैं। आतंकियों ने रखाइन प्रांत के रिक्ता गांव में रहने वाले हिंदुओं को निशाना बनाया है, इसके साथ ही फकीरा बाजार और चिआंगछारी में रहने वाले हिंदू भी चरमपंथी हमलों में मारे गए हैं। अनेक हिंदू परिवार वहां से अपना घर छोड़कर भाग खड़े हुए हैं। इस समय रखाइन राज्य की राजधानी सितवे में करीब सात सौ हिंदू परिवारों को एक सरकारी रिफ्यूजी कैंप में रखा गया है, जिसकी देखभाल का जिम्मा म्यांमार की फौज उठा रही है। म्यांमार में हिंदुओं की हत्या के पीछे धार्मिक उन्माद से ज्यादा चीन और पाकिस्तान के राजनीतिक हित नजर आते हैं। ऐसा भी लगता है कि इन हत्याओं से भारत और म्यांमार के मजबूत संबंधों को प्रभावित करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश रची गई है।

निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया पूरे होने तक उत्तर कोरिया को राहत नहीं: यूएस

वॉशिंगटन,15 जून (ए)। डॉनल्ड ट्रंप और किम जोंग-उन के बीच हुई मुलाकात को उधर 48 घंटे ही बीते हैं उधर अमेरिका ने डील के मुताबिक उत्तर कोरिया पर परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। दरअसल, अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने गुरुवार को कहा कि उत्तर कोरियाई किम यह समझते हैं कि परमाणु निरस्त्रीकरण जल्द से जल्द होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होगी तब तक प्योंगयांग को पाबंदियों से कोई राहत नहीं मिलेगी। बता दें कि स्वदेश लौटने के बाद ट्रंप ने इस मुलाकात को बेहद सकारात्मक करार दिया था और उत्तर कोरिया को संभावनाओं का देश बताया था। इधर, पोम्पियो ने कहा कि उत्तर कोरिया के पूरे, सत्यापित किए जा सकने वाले और अपरिवर्तनीय परमाणु निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया को लेकर वॉशिंगटन प्रतिबद्ध है। इससे पहले सिंगापुर में हुए अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन के बाद जो साझा बयान जारी किया गया था, उसकी इस बात को लेकर आलोचना हुई थी कि उसमें प्योंगयांग द्वारा परमाणु हथियारों को खत्म करने की योजना को लेकर कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया। वॉशिंगटन के शीर्ष राजनयिक मंगलवार को हुई ऐतिहासिक वार्ता के बारे में दक्षिण कोरिया और जापान के अपने समकक्षों को जानकारी देने के लिए सोल में हैं।